MT - 115

2014 .... 1100 **Seat No.** | | | | | | | |

MT - 115 - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - II - PAPER - II

Time : 2 Hours **(Pages 3)** **Max. Marks : 40**

सूचना : शुद्ध भाषा एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

प्रश्न 1. अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए : **3**

1) मुंशी जी का ..... लड़का माँ की लाश के पास गुम-सुम बैठा था।
(बड़ा/लाडला/इकलौता)

2) भारतीय संस्कृति में ..... का अद्‌वितीय गुण पाया जाता है।
(समन्वय /विरोध/त्रुटियों)

3) खरगोश का मन ..... उछल पड़ा। (बाँसों /आनंद / दुख)

आ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पाठों के आधार पर एक - एक वाक्य में उत्तर लिखिए। **3**

1) साँप के प्राण क्यों सूखने लगे थे ?
2) गोपाल, कैलाश और मोहन को छोटी कक्षा में किसने पढ़ाया था ?
3) गाड़ी ने सामान्य आदमी से क्या कहा ?
4) राजा प्रजा का पालन कैसे करता था?
5) दौड़ में खरगोश ने किसको पछाड़ दिया था ?

इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लगभग पचास - साठ शब्दों में लिखिए। **6**

1) विष निकल जाने पर साँप को किस तरह पश्चात्ताप हुआ ?
2) कोलकाता के 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' के मुख्यालय से कौन-कौन- से सेवाकार्य किए जाते हैं ?
3) 'माँ' जैसे पवित्र रिश्ते से देश को संबंधित करने से कौन - सा लाभ हुआ है ?
4) वन के सभी प्राणी खरगोश का आदर क्यों करने लगे?

प्रश्न 2. क) निम्नलिखित पद्यपंक्तियाँ पूर्ण कीजिए : **2**

1) कोकिल अति सुंदर ..... है। (चिड़िया / बुलबुल / चुरुंगन)
2) क्षीण ..... रह जाती है। (लकीर - सी / डोर - सी / रेखा - सी)

ख) **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर केवल <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए :** **2**

1) किस प्रकार के मनुष्यों पर गुरुकृपा होती हैं?
2) आज कौन - कौन - से भौतिक साधनों का विकास हुआ है ?
3) नदी अपनी लहरें कहाँ तक उछालती है ?

ग) **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लगभग पचास - साठ शब्दों में लिखिए :** **6**

1) नानक जी ने अच्छे मनुष्य के कौन - कौन - से लक्षण बताए हैं ?
2) आज की तिथि में मानव ने किन - किन क्षेत्रों में प्रगति की है ?
3) नदी कौन - कौन - से काम करती है ? हमें उससे क्या प्रेरणा मिलती है ?
4) स्वतंत्रता दिवस और दीवाली का त्योहार दोनों में मिलनेवाले आनंद का वर्णन कवि ने कैसे किया है ?

प्रश्न 3. च) i) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य के रेखांकित विकारी या अविकारी शब्द का शब्दभेद लिखिए : **1**

1) उसका नौकर रामू <u>लालची</u> और <u>आलसी</u> व्यक्ति है ।
2) <u>छी !</u> तुम बड़ों का अनादर करते हो ।

ii) निम्नलिखित शब्दों में से <u>किसी एक</u> अविकारी (अव्यय) शब्द का सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए : **1**

1) ओह ! 2) अचानक

छ) **निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल - परिवर्तन कीजिए :** **2**

1) उनके पिता ने व्यवसाय किया । (पूर्ण वर्तमानकाल)
2) भारतीय संस्कृति का गुलदस्ता स्नेह की डोरी में बँधा हुआ है । (सामान्य भविष्यकाल)
3) राजा ब्रह्मदत्त का रथ जा रहा था । (सामान्य भूतकाल)

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों के कालभेद पहचानिए :

1) मैं सेना में भरती हो रहा हूँ ।
2) एक स्थान पर बाँध बनेगा ।
3) ठाठ से पैर फैलाकर विराजे हुए है ।

ज) **i) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य को शुद्ध कीजिए :** **1**

1) मैं किसी का अनीष्ट करना नहीं चाहता था ।
2) आज के इस कड़वे यथार्थ पर तिखे प्रकाश डालेगा ।

ii) निम्नलिखित शब्दों में से <u>किसी एक</u> शब्द को शुद्धाक्षरी या हिंदी की मानक वर्तनी के अनुसार लिखिए। 1

1) खिडकी 2) पहूंचा

झ) निम्नलिखित मुहावरों में से <u>किन्हीं दो</u> मुहावरों का अर्थ लिखकर स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्यों में प्रयोग कीजिए । 2

1) सिसकारी छोड़ना । 2) हुल्लड़ मचना ।

3) साँप सूँघ जाना ।

प्रश्न 4. निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक</u> विषय पर रोचक एवं मुहावरेदार भाषा में लगभग 150 शब्दों में निबंध लिखिए : 6

1) बूढे किसान की आत्मकथा । 2) भ्रष्टाचार ।

3) मेरी चाह । 4) यदि बिजली न होती ..... ।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से <u>किसी एक</u> पत्र का लिफाफे सहित प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए : 4

1) महेश / महिमा शर्मा, गांधी नगर, अमरावती – 355421 से स्वास्थ्य अधिकारी महानगर पालिका, को शहर में अशुद्ध जल की पूर्ति होने के कारण ध्यान आकर्षित करते हुए पत्र लिखता / लिखती है ।

2) सागर / सीता शर्मा, 105 / जवाहर चौक, मुंबई से जवाहर विद्यालय, गोरेगाँव को लिपिक (क्लर्क) के लिए प्रार्थना पत्र लिखता/लिखती है ।

अथवा

निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे <u>चार प्रश्न</u> तैयार कीजिए, जिनके उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में हो :

डाक्टरों के दिल में अक्सर पीड़ितों के लिए सहानुभूति और सेवा की भावना रहती है । यह और बात है कि मृत्युशैय्या पर भी फीस के लिए हाथ बढ़ानेवाले और जिसके मरने की संभावना है, उसकी दवा से हाथ खींचनेवाले डाक्टर भी मिलेंगे (अगर वहाँ पर्याप्त रकम न मिलती हो तो) किंतु डा. मधुसूदन की यह बात नहीं थी । उसकी रुचि और स्वभाव दोनों ही उसके व्यवसाय के उपयुक्त थे । उन्हें जब कभी भी किसी के यहाँ से बुलावा आता तो वह न इन्कार करता न पैसे की परवाह । साधनशील और अमीरों से तो वह पैसा ले लेता था, पर गरीबों से तो वे जो देते, वही लेता । कई बार उनके यहाँ मुफ्त विजिट देने गया है और दवा भी मुफ्त दी है। कहीं-कहीं तो ऐसा भी हुआ है कि भंगियों के यहाँ दवा दी पर उनके पास दूध और साबूदाने के लिए पैसे नहीं थे सो वे भी अपने पास से दिए । गरीब विद्यार्थियों का तो उसके यहाँ ताँता लगा रहता था । हर जाति के लोग उसके यहाँ इलाज के लिए आते थे । बगैर किसी भेदभाव के वह उनकी मनोयोग के साथ सेवा करता । आश्चर्य नहीं जो गरीब उसे देवता मानते और हर जगह उसका प्रेम से स्वागत करते थे ।

Best Of Luck

MT - 115

2014 1100

MT - 115 - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - II- PAPER - II

Time : 2 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 40**

उ.1.	**अ) पठित गद्‌य पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 - 60 शब्दों में लिखिए :**	
1)	मुंशी जी का **इकलौता** लड़का माँ की लाश के पास गुम-सुम बैठा था ।	**1**
2)	भारतीय संस्कृति में **समन्वय** का अद्‌वितीय गुण पाया जाता है ।	**1**
3)	खरगोश का मन **बाँसों** उछल पड़ा ।	**1**
	आ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पठित पाठों के आधार पर एक - एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।	
1)	साँप के प्राण व्यर्थता की अनुभूति से सूखने लगे थे ।	**1**
2)	गोपाल, कैलाश और मोहन को छोटी कक्षा में आत्माराम और मनोहरलाल ने पढ़ाया था ।	**1**
3)	गाड़ी ने सामान्य आदमी से कहा कि मैं तुम जैसे सामान्य आदमी के लिए नहीं हूँ ।	**1**
4)	राजा प्रजा का पालन धर्म और न्याय के साथ करता था ।	**1**
5)	दौड़ में खरगोश ने एक सवारी गाड़ी को पछाड़ दिया था ।	**1**
	इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित गद्‌यपाठों के आधार पर संक्षेप में लगभग पचास - साठ शब्दों में लिखिए ।	
1)	सुप्रसिद्‌ध लेखक 'जैनेंद्र' जी ने 'वह साँप' पाठ में साँप की मनोदशा का वर्णन करते हुए बताया है कि प्रकृति के द्‌वारा आत्मरक्षा के लिए मिले हुए वरदान और उसकी तीव्रता का संयम के साथ उपयोग करने में ही बुद्‌धिमानी है । जहरीले साँप द्‌वारा देव बालक को डँसने से देवबालक की मृत्यु हो गई । इस घटना से साँप को अपने जहरीले होने पर अत्यंत दुःख हुआ । जिसके कारण उसने भगवान से अनुरोध किया कि हे भगवान, आप मुझे मेरे जहरीले दाँतों से मुक्त कीजिए । भगवान ने साँप की यह मनोकामना पूरी करने के लिए उस वन में एक सँपेरे को भेज दिया । सँपेरे ने अपनी बीन बजाई और साँप को मंत्रमुग्ध कर दिया । सँपेरे ने साँप को अपने वश में कर उसके जहरीले दाँतों को निकाल दिया । वह साँप को अपनी पिटारी में बंदकर नगर ले गया । जब साँप को होश आया तो उसने अपने आप को कैदी के रूप में पाया । उसे उसका वन भी कहीं नहीं दिखाई दिया । गुस्से के मारे वह इधर - उधर फन मारने लगा पर अब उसका फन तेजहीन हो चुका था। इस बात का एहसास होते ही वह स्वयं को निरर्थक समझने लगा और भगवान से स्वयं को विषहीन करने की प्रार्थना किए जाने पर पछताने लगा । इस प्रकार विष निकल जाने पर साँप स्वयं को असमर्थ तथा निरर्थक समझने लगा और उसे स्वयं के विषहीन होने का बहुत पश्चात्ताप हुआ ।	**3**

2)	सुप्रसिद्ध लेखक 'पृथ्वीनाथ पांडेय' जी ने 'मदर टेरेसा' पाठ में मदर टेरेसा जी के सेवाभाव और त्याग का परिचय अत्यंत सुंदर ढंग से करवाया है। कोलकाता के 'मिशिनरीज ऑफ चैरिटी' के मुख्यालय की ओर से दुनिया भर के दीन - दुखियों और बेसहारों के लिए अनाथालयों, आश्रमों और औषधालयों की स्थापना की गई। यह संस्था कई तरह के सेवा कार्य चलाती है। कुष्ठ रोगियों के लिए 'कुष्ठ निवारण केंद्र' है तथा अनाथ नवजात शिशुओं के लिए 'निर्मल शिशु भवन' है। इसी प्रकार फुटपाथ पर रहनेवालों के लिए 'निर्मल हृदय' और गरीब दस्तकारों के लिए 'प्रेमदान'। ग्रामीण इलाकों में 'सचल दवाखाना', ग्रामीण रोगियों की सेवा के लिए दिन - रात तत्पर रहता है। भारत के अलावा रोम और वेनेजुएला में भी इसी तरह के सेवा - केंद्र अपना कार्य कर रहे हैं। इस प्रकार कोलकाता के 'मिशिनरीज ऑफ चैरिटी' के एक मुख्यालय से 'कुष्ठ निवारण केंद्र' 'निर्मल शिशुभवन', 'निर्मल हृदय', 'प्रेमदान', 'सचल दवाखाना, आदि सेवाकेंद्र के लिए सेवाकार्य किए जाते हैं।	**3**
3)	सुप्रसिद्ध लेखक 'विजय अग्रवाल' जी ने 'राष्ट्रीय एकता' पाठ में देश की 'विविधता में एकता' के भाव को दर्शाया है। भारतवासी प्राचीन काल से ही भारत देश की धरती को अपनी 'माँ' के समान सम्मान देते आए हैं। इस बेजोड़ रिश्ते का ही परिणाम है कि यह देश अनंत काल से सांस्कृतिक रूप में अखंड रह पाया है। देश के सभी धर्माचार्यों ने राष्ट्र की एकता को सर्वोपरि माना है। भारत पर शक, हूण, कुषाण जैसी जातियों ने कई बार आक्रमण किए परंतु राष्ट्रीय एकता की भावधारा के कारण देश को तोड़ने में सफल नहीं हो पाए बल्कि वे स्वयं यहाँ की संस्कृति में रच - बस गए। इस प्रकार 'माँ' जैसे पवित्र रिश्ते से देश को संबोधित करने के कारण ही भारत एक अखंड राष्ट्र के रूप में कायम रह पाया।	**3**
4)	सुप्रसिद्ध लेखक 'व्यथित हृदय' जी ने 'खरगोश की एक और रेस' पाठ में खरगोश के उदाहरण द्वारा आत्मघाती घमंड से बचने की सीख दी है। सवारी गाड़ी को दौड़ने में पीछे छोड़कर खरगोश उससे आगे निकल गया। खरगोश की यह सोच थी कि वह रेलगाड़ी से भी तेज दौड़ सकता है। अब उसने सबसे कहना शुरू किया कि 'उसने दौड़ में रेलगाड़ी को भी हरा दिया है।' जंगल के सभी जानवरों ने इस शेखी को सच माना। इस प्रकार वन के सभी प्राणी खरगोश का आदर वन में सबसे तेज दौड़ने वाला जानवर मानकर करने लगे।	**3**
उ.**2**.	**क) निम्नलिखित पद्यपंक्तियाँ पूर्ण कीजिए :**	
1)	कोकिल अति सुंदर **चिड़िया** है।	**1**
2)	क्षीण **रेखा - सी** रह जाती है।	**1**

ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए :

1) षड्रिपुओं से दूर रहने वाले मनुष्यों पर गुरुकृपा होती हैं। **1**

2) आज बिजली और भाप की शक्ति से चलनेवाले यंत्रों, यानों और अन्य भौतिक साधनों का विकास हुआ है। **1**

3) नदी अपनी लहरें चाँद तक उछालती है। **1**

ग) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लगभग पचास - साठ शब्दों में लिखिए :

1) संतकवि 'नानकदेव' जी ने 'संतवाणी' कविता में मानवजीवन में निरपेक्षता का महत्व तथा झूठ - मूठ का प्रेम करने वाले झूठे लोगों का वर्णन किया है। **3**

नानक जी कहते हैं कि अच्छे मनुष्य को लोभ, मोह, मान, अपमान, हर्ष और शोक (षड्रिपुओं) की भावनाओं से दूर रहना चाहिए। उसको अपने मन में सुख, आनंद और धन के लालच को नहीं आने देना चाहिए। उसे धन - दौलत को मानवता के सामने महत्वहीन मानना चाहिए। आत्म - प्रशंसा सुनने और परनिंदा करने से बचना ही उसके लिए लाभदायक है। नानक जी के अनुसार अच्छा मनुष्य वहीं है जो मान - अपमान, धन - दौलत, सुख - दुःख, काम - क्रोध की भावनाओं से स्वयं को बचाकर रखें। ऐसे मनुष्य ही सच्चे अर्थों में सफल होते हैं, जो इन लक्षणों का पालन करते हैं तथा अपने जीवन को संयमपूर्वक व्यतीत करते हुए सांसारिक प्रलोभनों से स्वयं को दूर रखते हैं।

इस प्रकार नानक जी ने लोभ, मोह, मान, अपमान, हर्ष और शोक (षड्रिपुओं) की भावनाओं से मुक्त रहने को अच्छे मनुष्य के लक्षण बताए हैं।

2) सुप्रसिद्ध कवि 'सुमित्रानंदन पंत' जी ने 'बापू' कविता में सामाजिक चेतना से प्रेरित होकर मानव जीवन के बिखरे हुए रूप को प्रस्तुत किया है। **3**

आधुनिक युग ही विज्ञान युग है, जिसमें विज्ञान की महिमा अनंत है। विज्ञान के ज्ञान की बदौलत ही मानव ने अनेक यंत्र और उपकरण बनाए हैं जो बिजली और भाप द्वारा संचालित होते हैं। मानव ने विभिन्न प्रकार के यानों का भी निर्माण कर लिया हैं। विज्ञान के प्रयोग से ही कृषि उत्पादन में भी बढ़ोतरी हो रही हैं, भाँति - भाँति के उद्योगों को पनपने में योगदान मिल रहा है। इसी विज्ञान के ज्ञान के सहारे वस्त्रों के निर्माण में, उसकी गुणवत्ता में बड़ी मात्रा में विविधता आ पाई है। असाध्य रोगों के उपचार के लिए चिकित्सा क्षेत्रों में अद्वितीय विकास हुआ है। कंप्यूटर और इंटरनेट शिक्षा और जानकारी के अकल्पनीय द्वार खुल गए हैं। दूरदर्शन ने ज्ञान और मनोरंजन का दायरा असीमित रूप से बढ़ा दिया है। मोबाइल जैसे दूरसंचार उपकरणों ने सूचना और प्रसारण के क्षेत्र में विश्व - स्तर पर क्रांति ला दी है।

इस प्रकार आज की तिथि में मानव ने जीवन के सभी विश्व - स्तरीय क्षेत्रों में अद्भुत प्रगति की है।

3)	सुप्रसिद्ध कवयित्री 'संयुक्ता लूदरा' जी ने 'नदी हूँ मैं' कविता में नदी के अखंड और अथक प्रवाह का वर्णन किया है। प्रकृति माता के परोपकारी रूप की झलक हमें नदी के रूप में मिलती है। वह अनुपजाऊ (बंजर) भूमि को भी उर्वरक बना देती है। नदी अपने किनारे नए नगरों, नई बस्तियों और सभ्यताओं को फलने - फूलने का मौका देती है। नदी के किनारे सभी प्राणियों को अन्न - जल मिलते रहने से अत्यधिक तृप्ति मिलती है। मुश्किलों से डरकर उन्नति की राह पर आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा नदी ही देती है। नदी की तरह हमें हमेशा आगे बढ़ते रहना चाहिए। सतत मेहनत, परोपकार और साहस के बल पर अपने जीवन को सार्थकता प्रदान करने की प्रेरणा नदी ही हमें देती है। इस प्रकार नदी जनहित के असंख्य कल्याणकारी कार्य करती हैं और उससे हमें हमेशा जीवन में आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा मिलती है।	**3**
4)	सुप्रसिद्ध कवि 'सोहनलाल द्विवेदी' जी ने 'फिर प्यारा त्योहार आ गया' कविता में दीपावली त्योहार के आनंदोत्सव की तरह स्वतंत्रता दिवस को मनाने का संदेश दिया है। कवि कहते हैं कि देशवासी बड़े उत्साह से आजादी का उत्सव मना रहे हैं। हर मार्ग पर खुशियों का उजाला फैला हुआ है। जिस तरह दीवाली के समय दीपक जलाए जाते हैं, उसी तरह आज पंद्रह अगस्त के दिन देशवासियों की खुशियों के दीपक जगमगा रहे हैं। पूरे देश में इनसे जगमगाहट छा रही है। चारों ओर देशवासियों के खुशियों का माहौल है। जिस प्रकार दीवाली में जगह - जगह पटाखे फोड़कर खुशी जाहिर की जाती है, उसी प्रकार आज आजादी के दिन खेल - तमाशों ने धूम मचा रखी है। सभी देशवासियों के चेहरों पर उत्साह की चमक नजर आ रही है। इस प्रकार कवि ने स्वतंत्रता दिवस और दीवाली का त्योहार दोनो में मिलने वाले आनंद का मनमोहन वर्णन किया है।	**3**
उ.**3**.	**च) i) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य के रेखांकित विकारी या अविकारी शब्द का शब्दभेद लिखिए :**	
1)उ.	लालची, आलसी - विशेषण।	**1**
2)उ.	छी ! - अव्यय।	**1**
	ii) निम्नलिखित शब्दों में से <u>किसी एक</u> अविकारी (अव्यय) शब्द का सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए :	
1)उ.	ओह ! - <u>**ओह !**</u> तो आप अभिनेता नहीं है।	**1**
2)उ.	अचानक - बरसात <u>**अचानक**</u> थम गई।	**1**
	छ) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए :	
1)उ.	उनके पिता ने व्यवसाय <u>किया है।</u>	**1**
2)उ.	भारतीय संस्कृति का गुलदस्ता स्नेह की डोरी में बँधा <u>होगा</u>।	**1**
3)उ.	राजा ब्रह्मदत्त का रथ <u>गया</u>।	**1**
	अथवा	

	निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों के कालभेद पहचानिए :	
1)उ.	अपूर्ण वर्तमानकाल	**1**
2)उ.	सामान्य भविष्यकाल	**1**
3)उ.	पूर्ण वर्तमानकाल	**1**
	ज) i) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य को शुद्ध कीजिए :	
1)उ.	मैं किसी का अनिष्ट करना नहीं <u>चाहता था</u> ।	**1**
2)उ.	आज के <u>किसी</u> कड़वे यथार्थ पर <u>तीखा</u> प्रकाश डालेगा ।	**1**
	ii) निम्नलिखित शब्दों में से <u>किसी एक</u> शब्द को शुद्धाक्षरी या हिंदी की मानक वर्तनी के अनुसार लिखिए।	
1)उ.	खिड़की	**1**
2)उ.	पहुँचा	**1**
	झ) निम्नलिखित मुहावरों में से <u>किन्हीं दो</u> मुहावरों का अर्थ लिखकर स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्यों में प्रयोग कीजिए ।	
1)उ.	**सिसकारी छोड़ना** – व्याकुलता से दीर्घ श्वास लेना । **वाक्य :** बढ़ती हुई मँहगाई के कारण जनता सिर्फ <u>सिसकारी छोड़ने के</u> लिए मजबूर है ।	**1**
2)उ.	**हुल्लड़ मचना** – शोर मचना । **वाक्य :** बच्चों ने कक्षा में <u>हुल्लड़ मचाकर</u> सभी शिक्षकों को परेशान कर दिया ।	**1**
3)उ.	**साँप सूँघ जाना** – चेतना - शून्य होना । **वाक्य :** चोरी करते हुए पकड़े जाने पर नौकर को <u>साँप सूँघ गया</u> ।	**1**
उ.**4**.	**निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक</u> विषय पर रोचक एवं मुहावरेदार भाषा में लगभग 150 शब्दों में निबंध लिखिए :**	
1)उ.	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 3- Page No. 54 - Q.3	**6**
2)उ.	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 3- Page No. 81 - Q.30	**6**
3)उ.	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 3- Page No. 92 = Q.42	**6**
4)उ.	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 3- Page No. 87 - Q.37	**6**
उ.**5**.	**निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से <u>किसी एक</u> पत्र का लिफाफे सहित प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए :**	
1)उ.	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 31 - Q.3	**4**
2)उ.	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 36 - Q.8	**4**
	अथवा	

	निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर एक - एक वाक्य में हो :	
उ.	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 2- Page No. 19 - Q.8	**4**

❖❖❖❖